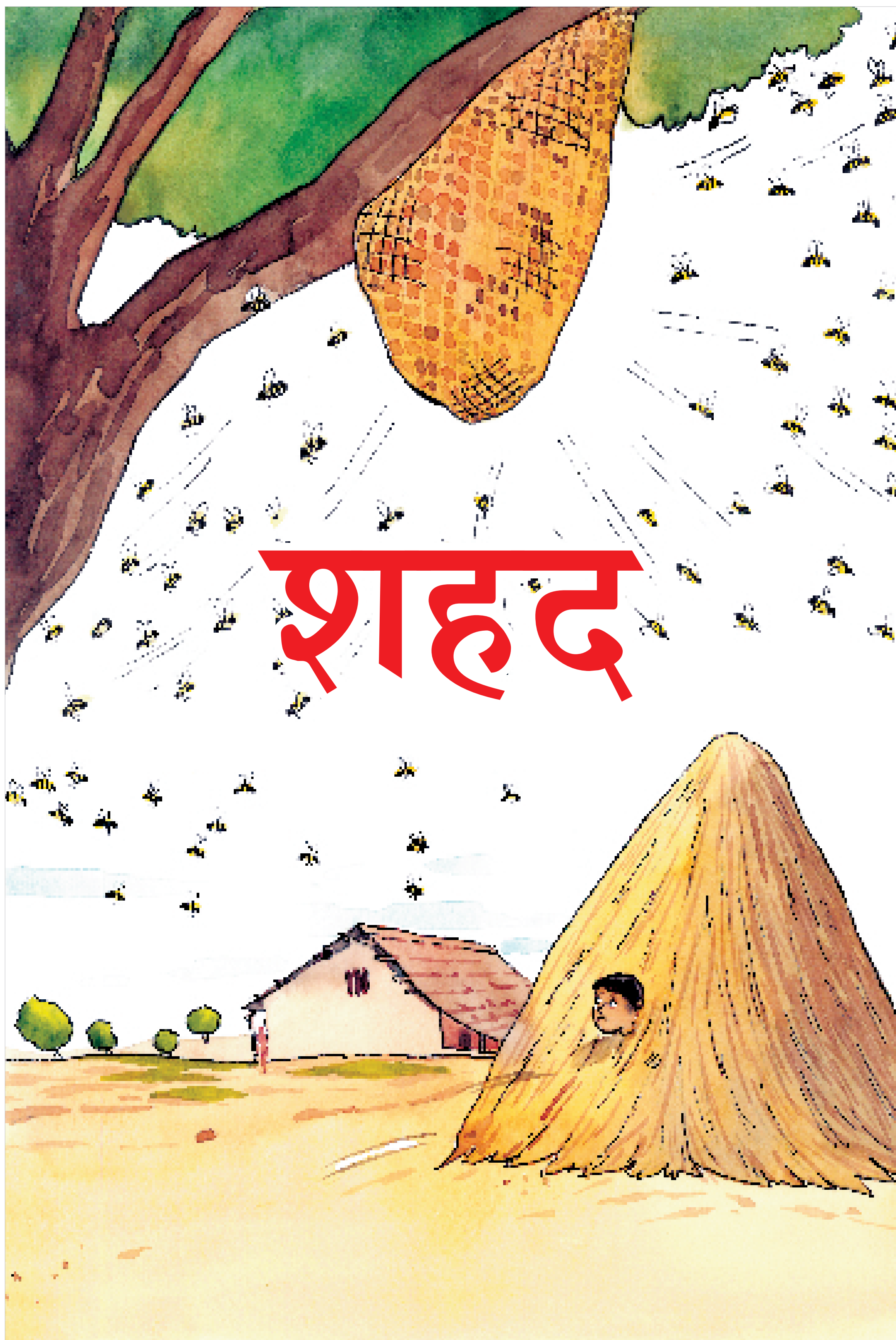




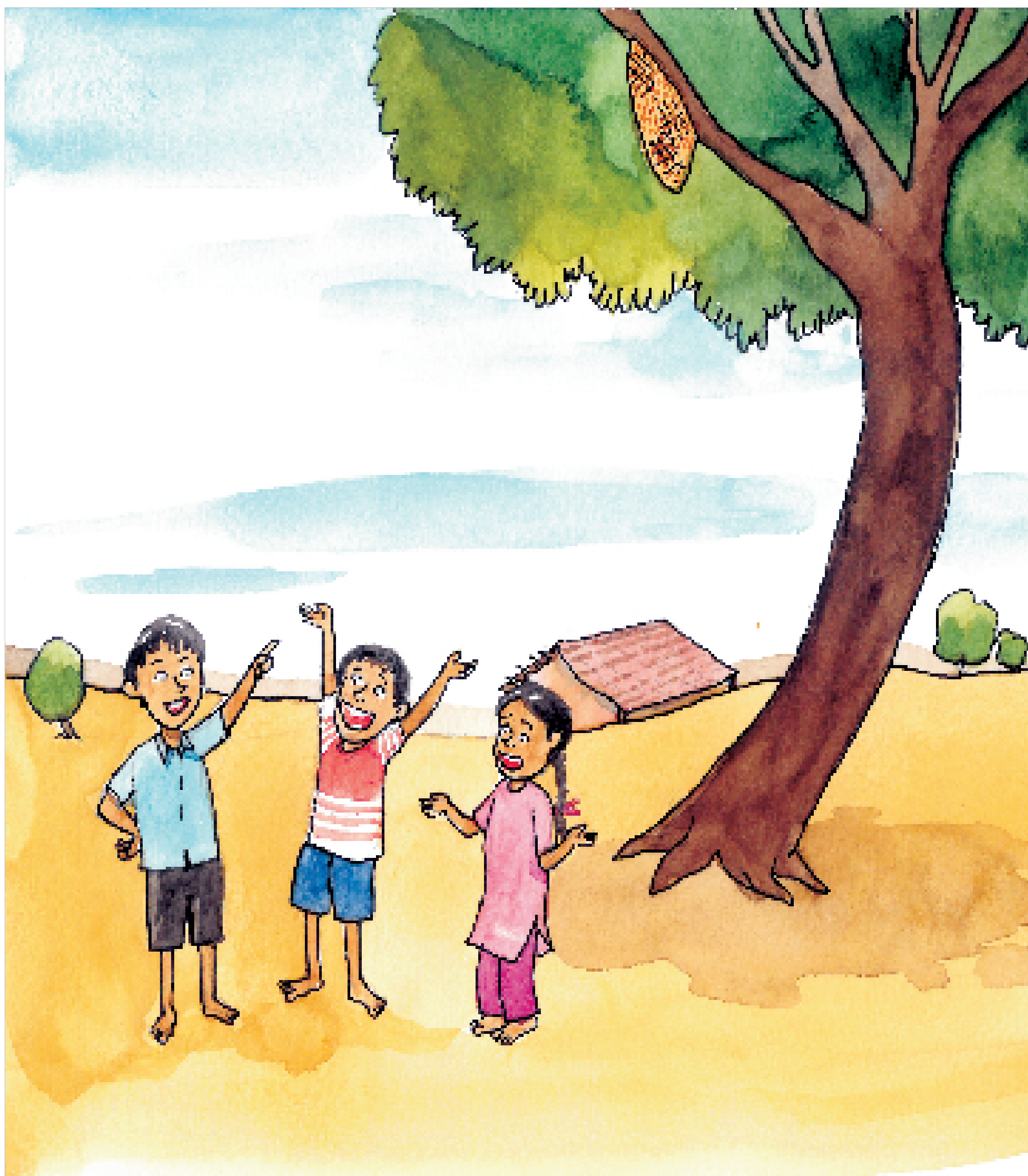
शहद



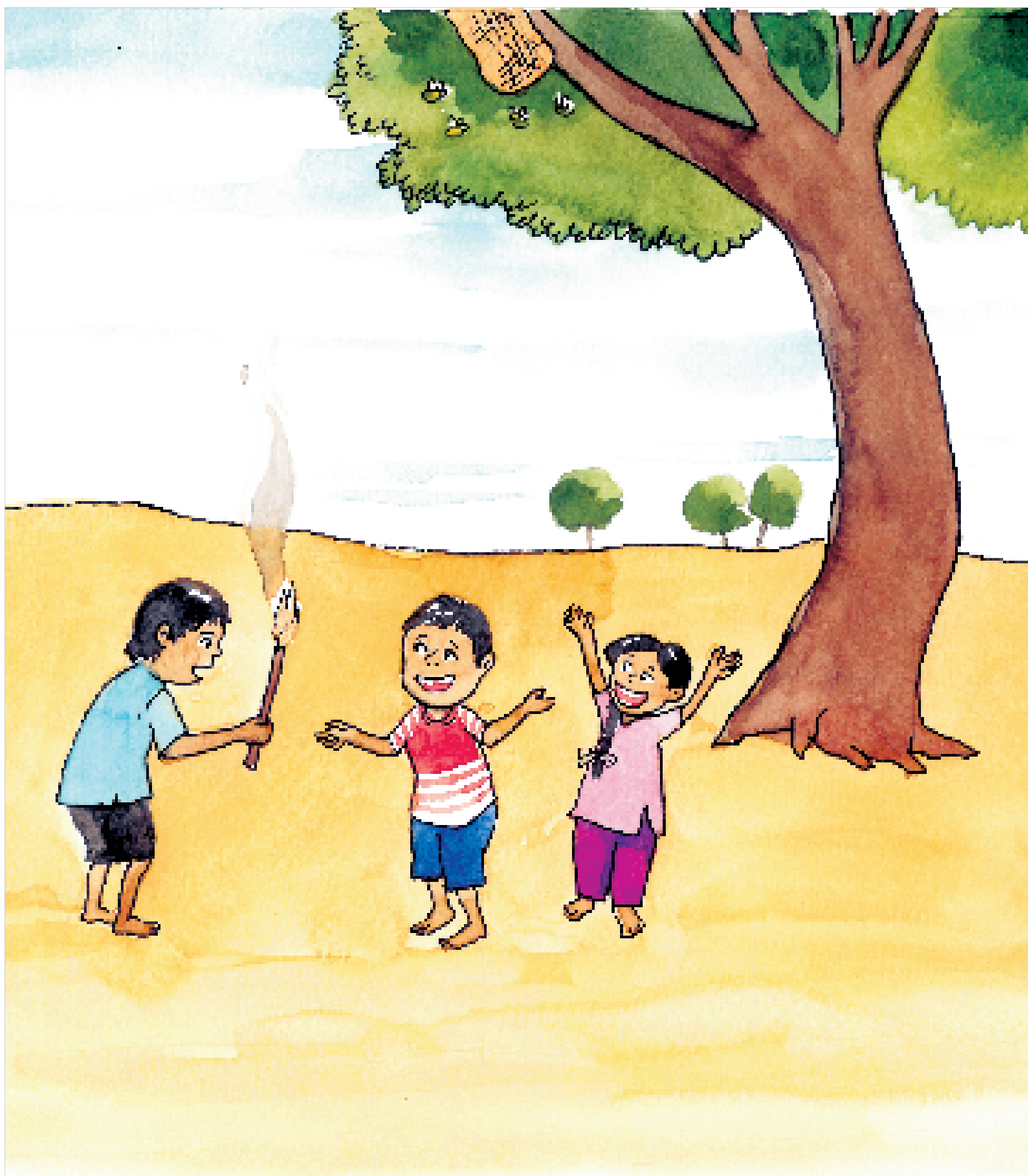
अमर के घर के पीछे
नीम का पेड़ था ।



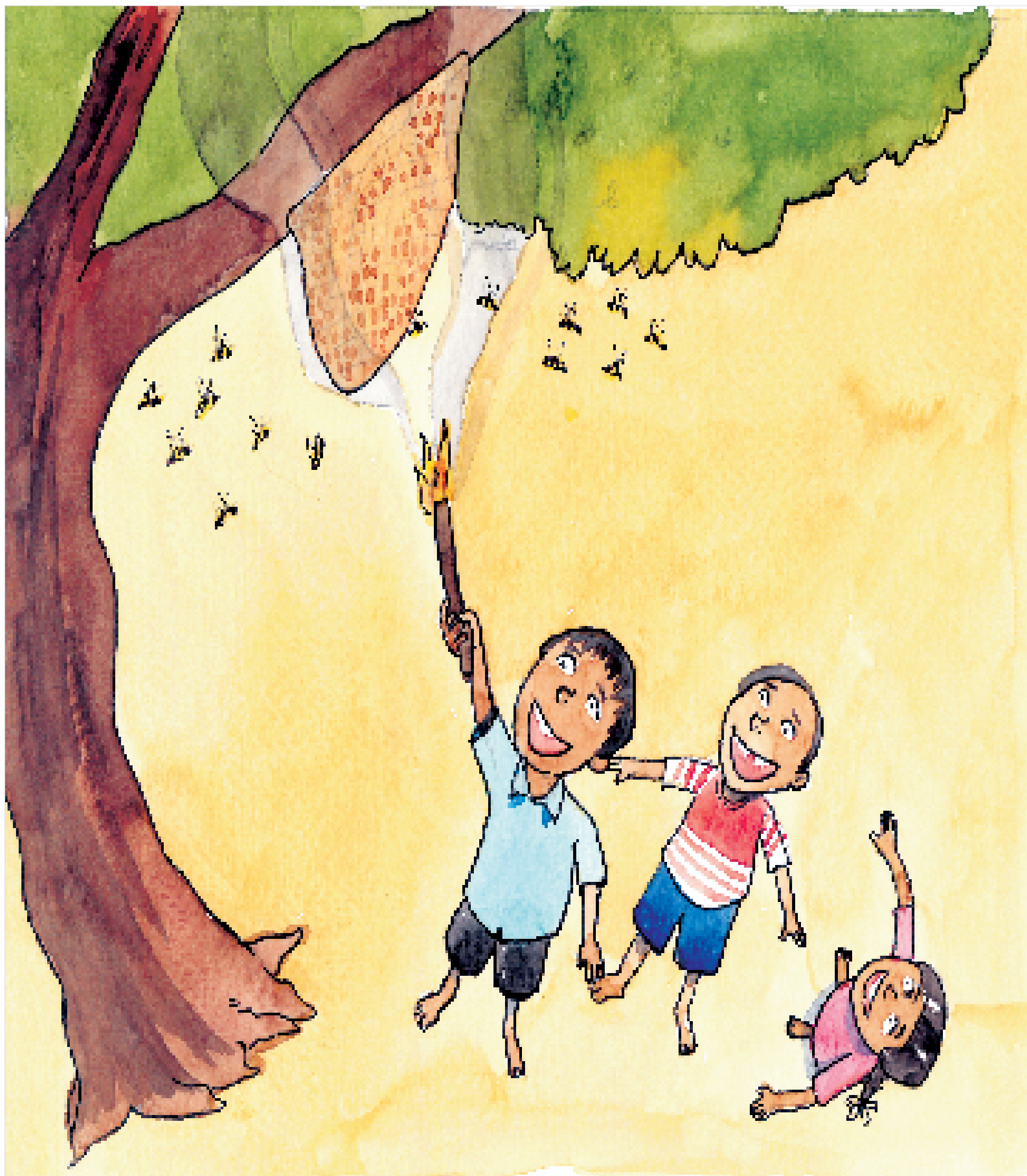
उसकी डाली पर मधुमक्खी का छत्ता था ।
छत्ता शहद से भर गया था ।



अमर ने दोस्तों को बुलाया ।



उन्होंने एक लकड़ी जलाई ।



धुएँ से धीरे-धीरे
मक्खियों को हटाया।



मक्खियाँ उड़कर चली गयीं ।



बहुत सारा शहद निकला ।



सबने कटोरी में लेकर शहद खाया ।
मीठा शहद सबको भाया ।



बिरजू के घर में भी मधुमक्खियों ने छत्ता बनाया। उसमें भी शहद भर गया।



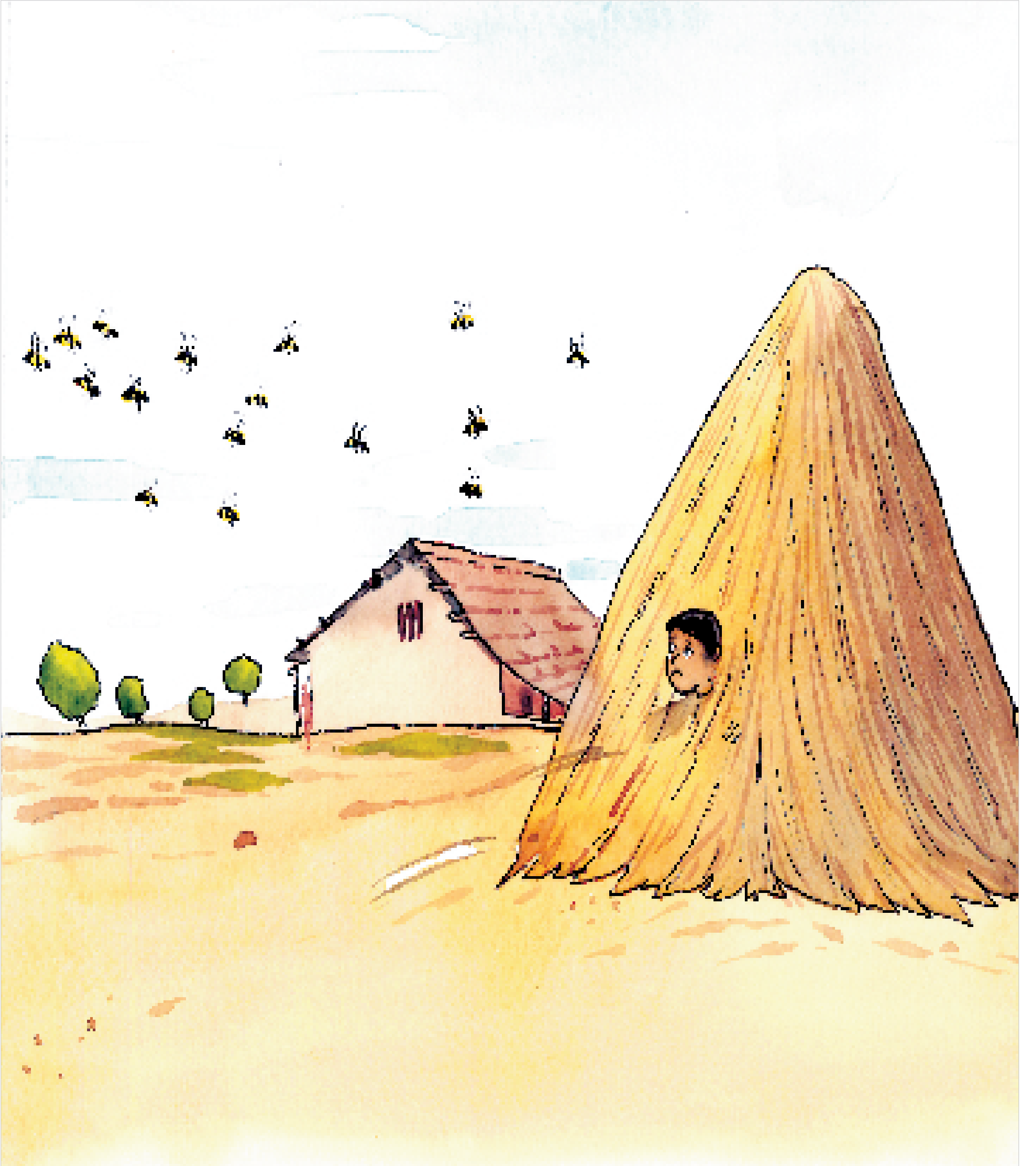
बिरजू अकेला शहद निकालने गया ।
सोचा धाप कर खाएगा ।



उसने छत्ते पर लाठी से वार किया ।
मक्खियाँ बिफर गयीं ।



मक्खियाँ बिरजू के ऊपर टूट पड़ीं।
बहुत सारे डंक मारे।



बिरजू डर कर घेर में छिप गया ।

शहद

अमर के घर के पीछे नीम का पेड़ था। उसकी डाली पर मधुमक्खी का छत्ता था। छत्ता शहद से भर गया था। अमर ने दोस्तों को बुलाया। उन्होंने एक लकड़ी जलाई। धुएँ से धीरे-धीरे मक्खियों को हटाया। मक्खियाँ उड़कर चली गयीं। बहुत सारा शहद निकला। सबने कटोरी में लेकर शहद खाया। मीठा शहद सबको भाया। बिरजू के घर में भी मधुमक्खियों ने छत्ता बनाया। उसमें भी शहद भर गया। बिरजू अकेला शहद निकालने गया। सोचा धाप कर खाएगा। उसने छत्ते पर लाठी से वार किया। मक्खियाँ बिफर गयीं। मक्खियाँ बिरजू के ऊपर टूट पड़ीं। बहुत सारे डंक मारे। बिरजू डर कर घेर में छिप गया।

मुख्य शब्द – पेड़, मधुमक्खी, छत्ता, शहद